

दानियेल की पुस्तक - संख्या एक सौ अट्ठाईस

मसीह के बपतिस्मा और प्रलोभन का भविष्यवाणी संबंधी महत्व: तीन विश्व शक्तियों की विशेषताओं का अनावरण

Jeff Pippenger

2024-03-10

मुद्रांकन 11 सितंबर, 2001 को तब आरंभ हुआ जब प्रकाशितवाक्य के अठारहवें अध्याय का शक्तिशाली स्वर्गदूत अवतरित हुआ। उसका अवतरण 11 अगस्त, 1840 को प्रकाशितवाक्य के दसवें अध्याय के स्वर्गदूत के अवतरण द्वारा, और मसीह के बपतिस्मा के समय पवित्र आत्मा के अवतरण द्वारा प्रतीकित था। मसीह का बपतिस्मा उस अंतिम वर्षा के बरसने की ओर संकेत करता है, जब न्यूयॉर्क नगर की महान इमारतें गिरा दी गईं। ऊपर से आने वाली शक्ति का आरंभ हुआ, और उसी समय नीचे से (अथाह कुंड से) आने वाली शक्ति भी प्रकट होने वाली थी, क्योंकि परमेश्वर का वचन कभी निष्फल नहीं होता।

जब मसीह ने बपतिस्मा लिया, तो वे तुरंत जंगल में गए और चालीस दिन तक उपवास किया, जिसके बाद शैतान ने उन्हें तीन प्रलोभनों से परखा। उन तीन प्रलोभनों में से प्रत्येक उन तीन शक्तियों की प्रमुख विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करता है जो संसार को आर्मगेडन की ओर ले जाती हैं। वे तीन प्रलोभन थे—अहंकार, जो अजगर का लक्षण है; आहार-लालसा, जो पशु का लक्षण है; और धृष्टता, जो झूठे नबी का लक्षण है। अहंकार और स्वयं-उत्थान का प्रतिनिधित्व यशायाह के शास्त्रीय विवरण में लूसिफ़र द्वारा किया गया है।

हे लूसिफ़र, प्रभात के पुत्र, तू स्वर्ग से कैसे गिर पड़ा! तू जो जातियों को दुर्बल करता था, भूमि पर कैसे काट डाला गया! क्योंकि तूने अपने मन में कहा: मैं स्वर्ग पर चढ़ूंगा; मैं अपना सिंहासन परमेश्वर के तारों से ऊपर ऊँचा करूंगा; मैं सभा के पर्वत पर, उत्तर के छोरों में भी बैठूंगा; मैं मेघों की ऊँचाइयों से ऊपर चढ़ूंगा; मैं परमप्रधान के समान हो जाऊंगा। तौभी तुझे अधोलोक में, गड्ढे के किनारों तक उतारा जाएगा। जो तुझे देखेंगे वे तुझे ध्यान से देखेंगे, और तुझे देखकर कहेंगे, क्या यही वह मनुष्य है जिसने पृथ्वी को काँपा दिया, जिसने राज्यों को हिला डाला? यशायाह 14:12-16.

पाँच बार लूसिफ़र अपने हृदय में "मैं करूँगा" घोषित करता है। शैतान, जिसे कभी "प्रकाश-वाहक" (लूसिफ़र) कहा जाता था, जो अब केवल अंधकार ही वहन करता है, वही है "जिसने जातियों को हिला दिया।" भविष्यवाणी की दृष्टि से वह "जातियों" से संबद्ध है, क्योंकि वह जातियों के दुष्ट गठबंधन का नेता है, और व्यापारियों के उस गठबंधन का भी, जिसकी पहचान प्रकाशितवाक्य के अध्याय सत्रह और अठारह में की गई है।

"राजाओं, शासकों और राज्यपालों ने अपने ऊपर मसीह-विरोधी की छाप लगा ली है, और उन्हें उस अजगर के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो पवित्र लोगों के साथ—उनके साथ जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं और जो यीशु का विश्वास रखते हैं—युद्ध करने जाता है।" Testimonies to Ministers, 38.

मसीह के बपतिस्मा के समय पवित्र आत्मा उतरा, जो 11 सितंबर, 2001 के बाद के समय का प्रतीक था। उनके बपतिस्मा के बाद, शैतान ने मसीह को यह प्रस्ताव देकर परीक्षा में डाला कि वह उन्हें वह शक्ति दे देगा, जिसका उपयोग शैतान संसार के राज्यों पर शासन करने के लिए करता है, क्योंकि आदम के पतन के समय शैतान संसार के राज्यों का शासक बन गया था।

और शैतान उसे एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया और क्षण भर में उसे संसार के सब राज्य दिखाए। और शैतान ने उससे कहा, मैं तुझे यह सब अधिकार और उनकी महिमा दूँगा; क्योंकि यह मुझे सौंपा गया है, और जिसे मैं चाहूँ, उसे दे देता हूँ। इसलिए यदि तू मेरी आराधना करे, तो ये सब तेरे हो जाएंगे। तब यीशु ने उत्तर देकर उससे कहा, हे शैतान, मेरे पीछे हट! क्योंकि लिखा है, 'तू प्रभु अपने परमेश्वर की आराधना कर, और केवल उसी की सेवा कर।'

लूका 4:5-8.

पापाई रोम (पशु) की दो प्रमुख विशेषताएँ हैं: उसका व्यभिचार और वह विषाक्त 'भोजन' तथा पेय जो वह वितरित करती है।

फिर भी, मेरे पास तेरे विरुद्ध कुछ बातें हैं, क्योंकि तू उस स्त्री ईज़ेबेल को, जो अपने आप को भविष्यद्वक्त्री कहलाती है, शिक्षा देने और मेरे दासों को व्यभिचार करने तथा मूर्तियों को बलि की हुई वस्तुएँ खाने के लिए बहकाने देता है। प्रकाशितवाक्य 2:14.

जो "भोजन" और पेय वह देती है, वे उसकी झूठी शिक्षाएँ हैं।

बाबुल के विरुद्ध जो बड़ा पाप ठहराया गया है, वह यह है कि उसने 'अपने व्यभिचार के क्रोध का दाखमधु सब जातियों को पिलाया।' यह मदहोशी का प्याला, जिसे वह संसार के सामने प्रस्तुत करती है, उन झूठी शिक्षाओं का प्रतीक है, जिन्हें पृथ्वी के बड़े-बड़ों के साथ अपने अवैध संबंध के परिणामस्वरूप उसने स्वीकार कर लिया है। महान विवाद, 388.

कैथोलिक धर्म का पशु अपने जादू-टोनों से भी संसार को धोखा देता है, जो कि एक बार फिर भीतर ग्रहण किए जाते हैं।

और तुझ में दीपक का प्रकाश फिर कभी नहीं चमकेगा; और दूल्हे और दुल्हन का स्वर तुझ में फिर कभी सुनाई नहीं देगा; क्योंकि तेरे व्यापारी पृथ्वी के बड़े लोग थे; क्योंकि तेरे जादू-टोने से सब जातियाँ धोखा खा गईं। प्रकाशितवाक्य 18:23.

'जादू-टोना' के रूप में अनूदित यूनानी शब्द pharmakeia है, जिसका अर्थ 'दवाइयाँ' है। उसके हाथ में जो सुनहरा प्याला है, वह केवल मदिरा पीने का प्याला नहीं है, बल्कि वही प्याला है जिसमें उसकी जादुई चिकित्सीय औषधियाँ तैयार की जाती हैं और प्रदान की जाती हैं। आज के आधुनिक संसार में, वे जादुई औषधियाँ प्याले में नहीं, बल्कि सुइयों के माध्यम से दी जाती हैं। जब शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के बाद शैतान प्रकट होगा, तो वह आरोग्य के चमत्कार करेगा। पापसी की औषधियों और झूठी शिक्षाओं से जुड़े चमत्कारों का प्रतिनिधित्व इस बात से किया गया था कि शैतान ने मसीह से पत्थर को रोटी में बदल देने का चमत्कार करने को कहा।

रविवार के कानून से पहले और बाद की भविष्यद्वक्त्री का इतिहास समान विशेषताएँ रखता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में एडवेंटिज़्म के लिए रविवार के कानून तक ले जाने वाला पशु की मूर्ति का परीक्षण काल, समस्त विश्व के लिए पशु की मूर्ति के परीक्षण काल का प्रतिरूप है। यही कारण है कि हमें बताया गया है, "वही संकट संसार के सभी भागों में हमारे लोगों पर आएगा।"

रविवार के कानून के बाद शैतान द्वारा की जाने वाली शैतानी चंगाइयों के चमत्कार, तथाकथित चिकित्सा के उस "जादू-टोने" का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे 11 सितंबर, 2001 से शुरू होने वाली अवधि के दौरान लोगों पर थोपा जाता है। यीशु ने कहा, "मनुष्य केवल रोटी से नहीं, बल्कि परमेश्वर के हर वचन से जीवित रहेगा।" रोम का "भोजन" वे परंपराएँ और रीति-रिवाज हैं, जिन्हें वह परमेश्वर के वचन से ऊपर रखती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में अभी जो आंदोलन चल रहे हैं, जिनका उद्देश्य कलीसिया की संस्थाओं और परंपराओं के लिए राज्य का समर्थन सुनिश्चित करना है, उनमें प्रोटेस्टेंट पोपवादियों के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। बल्कि, इससे भी बढ़कर, वे पोपसत्ता के लिए यह द्वार खोल रहे हैं कि वह प्रोटेस्टेंट अमेरिका में वह सर्वोच्चता फिर से प्राप्त कर ले, जो उसने पुरानी दुनिया में खो दी है। और इस आंदोलन को और अधिक महत्त्व देने वाली बात यह है कि इसका मुख्य उद्देश्य रविवार-पालन को लागू कराना है—एक ऐसी प्रथा जो रोम में उत्पन्न हुई, और जिसे वह अपने अधिकार के चिन्ह के रूप में दावा करती है। यह पोपसत्ता की ही भावना है—सांसारिक रीतियों के अनुरूप होने की भावना, और परमेश्वर की आज्ञाओं से ऊपर मानव परंपराओं के प्रति श्रद्धा—जो प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं

में समा रही है और उन्हें उसी रविवार के महिमामंडन का कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है, जो पोपसत्ता उनसे पहले कर चुकी है। महान विवाद, 573।

परंपरा और रीति-रिवाज वह सिद्धान्तगत "खुराक" हैं, जिसे पशु परमेश्वर के वचन के स्थान पर रख देता है, ताकि वह अपनी अन्यजातीय मूर्तिपूजा को ऊँचा उठा सके।

रोमन कलीसिया मूर्तिपूजा के आरोप से अपने को कैसे निर्दोष सिद्ध कर सकती है, यह हम नहीं समझते। सच है, वह इन प्रतिमाओं के माध्यम से परमेश्वर की उपासना करने का दावा करती है; ऐसा ही इस्राएलियों ने भी किया जब वे सोने के बछड़े के सामने झुके। परंतु प्रभु का कोप उनके विरुद्ध भड़क उठा, और बहुत से मारे गए। परमेश्वर ने उन्हें अधर्मी मूर्तिपूजक ठहराया, और आज भी संतों तथा तथाकथित पवित्र पुरुषों की प्रतिमाओं की आराधना करने वालों के विरुद्ध स्वर्ग की पुस्तकों में वही अभिलेख दर्ज होता है।

और यही वह धर्म है जिसे प्रोटेस्टेंट अब इतनी अनुकूल दृष्टि से देखने लगे हैं, और जो अंततः प्रोटेस्टेंटवाद के साथ संयुक्त हो जाएगा। तथापि यह संघ कैथोलिकवाद में किसी परिवर्तन से नहीं होगा; क्योंकि रोम कभी बदलता नहीं। वह अपनी अचूकता का दावा करता है। बदलेगा तो प्रोटेस्टेंटवाद ही। उसके द्वारा उदार विचारों को अपनाना उसे वहाँ पहुँचा देगा जहाँ वह कैथोलिकवाद से हाथ मिला सके। 'बाइबल, बाइबल ही हमारे विश्वास की नींव है,' यह लूथर के समय प्रोटेस्टेंटों की पुकार थी, जबकि कैथोलिक पुकारते थे, 'कलीसिया-पितृगण, प्रथा, परंपरा।' अब बहुत से प्रोटेस्टेंट अपनी शिक्षाओं को बाइबल से सिद्ध करना कठिन पाते हैं, और फिर भी उनमें इतना नैतिक साहस नहीं कि वे उस सत्य को स्वीकार करें जो क्रूस से जुड़ा है; इसलिए वे तेजी से कैथोलिकों की स्थिति पर आ रहे हैं, और सत्य से बचने के लिए अपने पास जो सर्वोत्तम तर्क हैं उनका उपयोग करते हुए, पितृगण की गवाही तथा मनुष्यों की प्रथाओं और आदेशों का हवाला देते हैं। हाँ, उन्नीसवीं शताब्दी के प्रोटेस्टेंट पवित्रशास्त्र के प्रति अपने अविश्वास में कैथोलिकों के बहुत निकट तेजी से पहुँच रहे हैं। परन्तु आज भी रोम और लूथर, क्रैनमर, रिडली, हूपर, और शहीदों की महान सेना के प्रोटेस्टेंटवाद के बीच उतनी ही चौड़ी खाई है जितनी तब थी जब इन पुरुषों ने वह विरोध किया था जिसके कारण वे 'प्रोटेस्टेंट' कहलाए।

मसीह एक प्रोटेस्टेंट थे। उन्होंने यहूदी राष्ट्र की औपचारिक उपासना का विरोध किया, जिन्होंने अपने ही विरुद्ध परमेश्वर की सम्मति को ठुकरा दिया था। उन्होंने उनसे कहा कि वे मनुष्यों की आज्ञाओं को सिद्धांतों के रूप में सिखाते हैं, और कि वे ढोंगी और कपटी हैं। सफेद की हुई कब्रों के समान वे बाहर से सुंदर थे, पर भीतर अशुद्धता और भ्रष्टता से भरे हुए थे। सुधारकों की शुरुआत मसीह और प्रेरितों से होती है। वे बाहर निकले और अपने आपको रस्मों और विधि-विधानों के धर्म से अलग कर लिया। लूथर और उनके अनुयायियों ने सुधारित धर्म का आविष्कार नहीं किया था। उन्होंने तो उसे बस वैसे ही स्वीकार किया जैसा मसीह और प्रेरितों ने प्रस्तुत किया था। बाइबल हमें एक पर्याप्त मार्गदर्शक के रूप में दी गई है; परन्तु पोप और उसके कार्यकर्ता इसे लोगों से ऐसे दूर कर देते हैं मानो यह कोई शाप हो, क्योंकि यह उनके आडंबरों को उजागर करती है और उनकी मूर्तिपूजा को फटकारती है। रिव्यू एंड हेराल्ड, 1 जून, 1886.

चिकित्सा के चमत्कार, जो आध्यात्मवाद का आधार हैं, वही उसका पेशा है।

बहुत से लोग आध्यात्मिक प्रगटीकरणों का स्पष्टीकरण देने के लिए उन्हें पूरी तरह मीडियम की धोखाधड़ी और हाथ की सफ़ाई का फल ठहराते हैं। परंतु, यद्यपि यह सत्य है कि चालबाज़ी के परिणामों को अक्सर असली प्रगटीकरण बताकर पेश किया गया है, फिर भी अलौकिक शक्ति के उल्लेखनीय प्रदर्शन भी हुए हैं। जिस रहस्यमय खटखटाहट से आधुनिक स्पिरिचुअलिज़्म का प्रारंभ हुआ, वह मानवी चालबाज़ी या धूर्तता का परिणाम नहीं थी, बल्कि दुष्ट स्वर्गदूतों का सीधा कार्य था, जिन्होंने इस प्रकार आत्माओं का नाश करने वाले भ्रमों में से एक अत्यंत सफल भ्रम को प्रवर्तित किया। बहुत से लोग इस विश्वास के कारण फँस जाएंगे कि स्पिरिचुअलिज़्म मात्र मानवीय छल-कपट है; जब वे ऐसे प्रगटीकरणों से आमने-सामने होंगे जिन्हें वे अलौकिक समझे बिना नहीं रह सकते, तब वे धोखा खाएँगे और उन्हें परमेश्वर की महान शक्ति मानकर स्वीकार कर लेंगे।

ये लोग शास्त्रों की उस गवाही को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जो शैतान और उसके प्रतिनिधियों द्वारा किए गए चमत्कारों के बारे में है। फिरौन के जादूगर परमेश्वर के कार्य की नकल शैतानी सहायता से ही कर पाए थे। पौलुस गवाही देता है कि मसीह के दूसरे आगमन से पहले शैतानी शक्ति के इसी प्रकार के प्रदर्शन होंगे। प्रभु के आने से पहले 'सारी शक्ति और चिन्हों और झूठे अद्भुत कामों सहित शैतान का काम करना, और समस्त अधर्म की छलना के साथ' होगा। 2 थिस्सलुनीकियों 2:9,10। और प्रेरित यूहन्ना, अंतिम दिनों में प्रकट होने वाली चमत्कार करने की शक्ति का वर्णन करते हुए, कहता है: 'वह बड़े-बड़े चमत्कार करता है, यहाँ तक कि मनुष्यों के देखते-देखते आकाश से पृथ्वी पर आग तक उतार देता है; और उन चमत्कारों के कारण, जिन्हें करने की उसे शक्ति थी, वह पृथ्वी पर रहने वालों को भरमाता है।' प्रकाशितवाक्य 13:13,14। यहाँ केवल बनावटी धोखे की बात नहीं की गई है। लोग उन चमत्कारों से धोखा खाते हैं जिन्हें करने की शक्ति शैतान के प्रतिनिधियों के पास है, न कि उनसे जिन्हें करने का वे केवल ढोंग करते हैं। The Great Controversy, 553.

रीत-रिवाजों और परंपराओं पर आधारित मिथ्या सिद्धांत, आत्मवाद के चमत्कारी प्रकटीकरण, कपटी चिकित्सा-औद्योगिक उद्योग और चर्च-तंत्र का राज्य-तंत्र से गठजोड़, ये सब कैथोलिक धर्म के पशु के लक्षण हैं। अहंकार ड्रैगन शक्ति का एक लक्षण है। धृष्टता पतनशील प्रोटेस्टेंटवाद के झूठे भविष्यद्वक्ता का लक्षण है।

और यीशु, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर, यर्दन से लौटे, और आत्मा के द्वारा जंगल में ले जाए गए, जहाँ चालीस दिनों तक शैतान ने उनकी परीक्षा की। और उन दिनों में उन्होंने कुछ नहीं खाया; और जब वे दिन समाप्त हुए, तब उन्हें भूख लगी। तब शैतान ने उनसे कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इस पत्थर से कह कि यह रोटी बन जाए। और यीशु ने उसे उत्तर दिया, लिखा है, कि मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित न रहेगा, परन्तु परमेश्वर के हर एक वचन से। लूका 4:1-4.

पूर्वधारणा एक संज्ञा है, जो बिना पर्याप्त साक्ष्य या प्रमाण के किसी बात को सत्य मान लेने की क्रिया या उसके उदाहरण को संदर्भित करती है। यह अधूरी या अपर्याप्त जानकारी के आधार पर निर्णय लेना या निष्कर्ष निकालना शामिल करती है। पूर्वधारणा अपने अनुमान के प्रति एक निश्चित स्तर के आत्मविश्वास का भी संकेत दे सकती है, भले ही वह पूरी तरह से उचित न हो।

धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद ने रविवार को उपासना के लिए परमेश्वर का दिन इस त्रुटिपूर्ण विचार के समर्थन में परमेश्वर के वचन से किसी भी प्रमाण के बिना ही स्वीकार कर लिया है; और वे ऐसा तब करते हैं, जब वे जान-बूझकर स्वयं को प्रोटेस्टेंट बताते हैं, जिनका नारा है "केवल परमेश्वर का वचन," या जैसा मार्टिन लूथर ने घोषणा की, "Sola Scriptura!" वे इसे रोम की कलीसिया की परंपराओं और रीति-रिवाजों के आधार पर, या शायद अपने पुरखों से मिली हुई एक स्वीकृत विरासत के रूप में स्वीकार करना चुनते हैं। तीसरे स्वर्गदूत की जोरदार पुकार पर यह सत्य स्पष्ट रूप से प्रकट हो जाएगा कि बाइबल से सूर्य-पूजा के लिए बिल्कुल भी कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं किया जा सकता; और तब जो लोग अपनी उस भ्रान्त धारणा पर बने रहेंगे, वे पशु का चिह्न प्राप्त करेंगे।

यदि सत्य का प्रकाश आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो चौथी आज्ञा के सब्त को प्रकट करता है और यह दिखाता है कि रविवार-पालन के लिए परमेश्वर के वचन में कोई आधार नहीं है, और फिर भी आप झूठे सब्त को पकड़े रहते हैं, उस सब्त को पवित्र मानने से इन्कार करते हुए जिसे परमेश्वर 'मेरा पवित्र दिन' कहते हैं, तो आप पशु का चिन्ह ग्रहण करते हैं। यह कब होता है?—जब आप उस आदेश का पालन करते हैं जो आपको रविवार को श्रम छोड़ने और परमेश्वर की आराधना करने का हुक्म देता है, जबकि आप जानते हैं कि बाइबल में एक भी शब्द ऐसा नहीं है जो दिखाता हो कि रविवार एक सामान्य कार्य-दिवस से भिन्न है, तब आप पशु का चिन्ह ग्रहण करने के लिए सहमत होते हैं और परमेश्वर की मुहर को अस्वीकार करते हैं। यदि हम यह चिन्ह अपने माथे पर या अपने हाथ पर प्राप्त करते हैं, तो अवज्ञाकारी लोगों के विरुद्ध जो दण्डादेश सुनाए गए हैं, वे हम पर अवश्य पड़ेंगे। परन्तु जीवित परमेश्वर की मुहर उन पर लगाई जाती है जो प्रभु के सब्त का विवेकपूर्वक पालन करते हैं।

Review and Herald, 27 अप्रैल, 1911.

रिपब्लिकन पार्टी की आम तौर पर समझी जाने वाली कमजोरी यह है कि वे यह मान लेने को तत्पर रहते हैं कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंदी निष्पक्ष और ईमानदार हैं, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के कर्मों के फल स्पष्ट रूप से प्रकट करते हैं कि वे झूठ के पिता की संतान हैं। बार-बार और लगातार रिपब्लिकन अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की बातों को ज्यों का त्यों सच मान लेते हैं, जबकि उन्हें बार-बार दिखाया जा चुका है कि उनके प्रतिद्वंदी कभी अपनी बात पर कायम नहीं रहते। वे अपने विरोधियों पर ईमानदार मंशाएँ आरोपित कर देते हैं, जबकि उन्हीं विरोधियों ने बार-बार यह दिखाया है कि रिपब्लिकनों की अपेक्षित ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के त्रुटिपूर्ण प्रक्षेपण का समर्थन करने हेतु कोई तर्कसंगत आधार नहीं है। यह भी सत्य है कि कई रिपब्लिकन व्यक्तिगत आर्थिक लाभ के लिए, या गुप्त अनैतिक परिस्थितियों के कारण जिनसे उन्हें आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है, सिद्धांतों का पालन करने से इनकार कर देते हैं, परंतु रिपब्लिकन पार्टी का प्राथमिक भविष्यसूचक गुण पूर्वधारणा है।

यह अहंमन्यता का वह गुण है, जिसे धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटों की एक भविष्यवाणी-सिद्ध पहचान माना गया है, जो उन्हें यह दिखावा करने देता है कि उन्होंने नैतिक और राजनीतिक रूप से ऊँचा स्थान ले लिया है, जबकि वास्तव में उन्होंने इस खोखली अपेक्षा के तहत अपनी नागरिक जिम्मेदारियों का परित्याग कर दिया है कि उनके राजनीतिक विरोधी अपना वचन निभाएँगे। पागलपन की बहुत प्रचलित परिभाषा है बार-बार वही काम करना और अलग परिणाम की उम्मीद करना, फिर भी रिपब्लिकन तर्क देते हैं कि ट्रंप के प्रति डेमोक्रेट्स की घृणा में प्रकट पागलपन से संक्रमित तो दरअसल डेमोक्रेट्स ही हैं।

फिर भी रिपब्लिकनों का पागलपन बार-बार उजागर होता है, जब वे इस धारणा के तहत समझौतों पर राज़ी हो जाते हैं कि विधायी प्रक्रिया का अर्थ ही समझौता करना है, जबकि उनके राजनीतिक समझौते, जिनके बारे में वे दावा करते हैं कि वे "विधायी प्रक्रिया" के सिद्धांत पर आधारित हैं, ऐसे वर्ग के साथ किए जाते हैं जो कभी समझौता नहीं करता। डेमोक्रेट राजनीतिक प्रक्रिया में तभी पीछे हटते हैं जब संख्यात्मक समीकरण पूरी तरह उनके विरुद्ध हो। उन्होंने कभी यह साबित नहीं किया कि वे सचमुच राजनीतिक प्रक्रिया के जरिए मध्य मार्ग के लिए काम करते हैं। रिपब्लिकनों का पागलपन यही है कि वे बार-बार दूसरों से ऐसी आशावादी अपेक्षाएँ रखते हैं जो बिल्कुल बेबुनियाद होती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वालों में भारी बहुमत इस बात की गवाही देगा कि ट्रंप का सबसे बुरा गुण यह है कि वे अपने एजेंडे के समर्थक के रूप में मनुष्यों को स्वीकार करने के लिए तत्पर रहते हैं, जबकि उपलब्ध साक्ष्य दर्शाते हैं कि ऐसा चयन करना उनकी ओर से पूरी तरह निराधार धृष्टता थी। धृष्टता, पतित प्रोटेस्टेंटवाद का भविष्यसूचक लक्षण है। शैतान ने बाइबल का उद्धरण देकर मसीह को प्रलोभित किया, पर ऐसा करते हुए उसने उस अंश को तोड़-मरोड़कर एक अनुचित और शास्त्र-विरुद्ध परीक्षा में बदल दिया।

और वह उसे यरूशलेम ले गया, और उसे मंदिर के शिखर पर खड़ा करके उससे कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो यहाँ से अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, 'वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा कि वे तेरी रक्षा करें'; और 'वे तुझे अपने हाथों पर उठा लेंगे, कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँव को पत्थर से ठेस लगे।' तब यीशु ने उत्तर देकर उससे कहा, 'कहा गया है, तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करा।' लूका 4:9-12.

निकट भविष्य में आने वाले रविवार के कानून के समय, यही संयुक्त राज्य के प्रोटेस्टेंट होंगे जो सब्त के दिन काम से विरत रहने के बाइबिलीय आदेश को लेंगे, और सातवें दिन के सब्त पर परमेश्वर की उपासना करने की आज्ञा को मरोड़कर इसे ऐसी गढ़ी हुई आज्ञा में बदल देंगे कि वास्तव में मनुष्यों को उपासना उसी दिन करनी आवश्यक है जो मूर्तिपूजा का 'सूर्य का दिन' है। वे एक बाइबिल अंश को मरोड़कर उसे एक अनुचित और शास्त्रविरुद्ध कसौटी बना देंगे।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

मैंने देखा कि दो सींगों वाले पशु का मुँह अजगर जैसा था, और उसकी शक्ति उसके सिर में थी, और यह भी कि फरमान उसके मुँह से निकलेगा। फिर मैंने वेश्याओं की माता को देखा; कि वह माता बेटियों से अलग और भिन्न

थी; वह स्वयं बेटियाँ नहीं थी। उसका दिन आकर जा चुका है, और उसकी बेटियाँ, अर्थात् प्रोटेस्टेंट संप्रदाय, मंच पर आने वाली अगली थीं और उसी विचारधारा को अमल में लाने वाली थीं जो माता की थी जब वह संतों को सताती थी। मैंने देखा कि जैसे-जैसे माता की शक्ति क्षीण होती गई, बेटियाँ बढ़ती गईं, और शीघ्र ही वे उसी शक्ति का प्रयोग करेंगी जो कभी माता ने किया था।

मैंने देखा कि नाममात्र की कलीसिया और नाममात्र के एडवेंटिस्ट, यहूदा की तरह, हमारा विश्वासघात करेंगे और सत्य का विरोध करने हेतु कैथोलिकों का प्रभाव पाने के लिए हमें कैथोलिकों के हवाले कर देंगे। तब संत एक अल्प-परिचित लोग होंगे, कैथोलिकों के लिए बहुत कम ज्ञात; परन्तु वे कलीसियाएँ और नाममात्र के एडवेंटिस्ट जो हमारे विश्वास और रीति-रिवाजों को जानते हैं (क्योंकि वे हमें सब्त के कारण घृणा करते थे, क्योंकि वे उसका खण्डन नहीं कर सकते थे) संतों का विश्वासघात करेंगे और उन्हें कैथोलिकों के पास उन लोगों के रूप में शिकायत करेंगे जो लोगों की संस्थाओं की अवहेलना करते हैं; अर्थात् वे सब्त का पालन करते हैं और रविवार की उपेक्षा करते हैं।

"तब कैथोलिक प्रोटेस्टेंटों से कहेंगे कि वे आगे बढ़ें, और यह फ़रमान जारी करें कि जो कोई सातवें दिन के स्थान पर सप्ताह के पहले दिन का पालन नहीं करेगा, उसे मार डाला जाए। और कैथोलिक, जिनकी संख्या अधिक है, प्रोटेस्टेंटों का साथ देंगे। कैथोलिक अपनी शक्ति पशु की प्रतिमा को देंगे। और प्रोटेस्टेंट संतों का नाश करने के लिए ठीक वैसा ही करेंगे जैसा उनकी माता ने उनसे पहले किया। परंतु उनके फ़रमान के फल देने से पहले ही, संत परमेश्वर की वाणी द्वारा छुड़ा लिए जाएँगे।" स्पॉल्डिंग और मैगन, 1, 2.